तापमान

अधिकतम 38 .5 डिग्री
न्यूनतम 21 .4 डिग्री

हरिभूमि

रेवाड़ी भूमि

रोहतक, सोमवार 4 मई 2026

9 ट्रांसपोर्टर के कार्यालय में रंजिश के चलते तोड़फोड़, मंथली मांगने के लगाए आरोप, जांच में जुटी पुलिस

10 शास्त्र कहते हैं कि अपने मानव जीवन के प्रत्येक श्वास को सुमिरन में लगाएः प्रीति

खबर संक्षेप

अवैध शराब के साथ पकड़ा एक आरोपी

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने अवैध शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी हजारीवास में रह रहा मूल रूप से बिहार के दोन बुजुर्ग निवासी राजन राम शराब बेचने का धंधा करता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर दबिश दी। उसके कब्जे से 42 पव्वे और 3 बोतल देशी शराब बरामद की। आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर निखरी के पास हुए सड़क हादसे के बाद गत 24 अप्रैल को केस दर्ज किया था। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद गाड़ी चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने यूपी के बहरोच निवासी असलम खान को गिरफ्तार कर लिया। उसकी गाड़ी को भी कब्जे में लिया गया है। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

हुड़दंगबाजी करने के दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंगबाजी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। शनिवार देर सांय पुलिस को सूचना मिली थी कि मॉडल टाउन एरिया में दो लोग हुड़दंबाजी करते हुए लोगों की शांति भंग कर रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर दोनों आरोपियों को काबू कर लिया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम किशनगढ़ निवासी धर्मेंद्र और मूंदी निवासी सुनील बताया। दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया।

फरार चल रहा पीओ चढ़ा पुलिस के हत्थे

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने कोर्ट से घोषित किए गए एक पीओ को गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने एक मामले में पातुहेड़ा निवासी सतीश को बार-बार कोर्ट में पेश नहीं होने पर पीओ घोषित कर दिया था। कोर्ट ने उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए गए थे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया था। केस दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

चोरी के दो आरोपी प्रोडक्शन वारंट पर

रेवाड़ी। पुलिस ने भैंस चोरी के मामलों में वांछित दो आरोपियों को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। पुलिस ने यूपी के हुसैनपुर निवासी नदीम और बघरा निवासी रिजवान को चोरी के मामलों में गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान दोनों की रोहड़ाई थाने में दर्ज आधा दर्जन से ज्यादा मामलों में संलिप्तता पाई गई। दोनों को पुलिस ने कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पूछताछ की। इसके बाद दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करते हुए जेल भेज दिया गया। आरोपियों के खिलाफ अन्य पुलिस थानों में भी चोरी के मामले दर्ज हैं।

जिले के 11 केंद्रों में 3788 में से 3719 परीक्षार्थियों ने नीट परीक्षा दी, जबकि 69 परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र नहीं पहुंचे

नीट एग्जाम में छात्राओं के नोजपिन व ईयर रिंग्स के साथ गले व कलाई के धागे उतरवाए, कड़ी सुरक्षा के बीच परीक्षा सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से रविवार को जिले में 11 परीक्षा केंद्रों आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट यानि नीट यूजी की परीक्षा कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हो गई। परीक्षा में 3788 परीक्षार्थियों में से 3719 ने परीक्षा दी, जबकि 69 परीक्षार्थी अनुपस्थित थे। परीक्षा में 98.18 प्रतिशत परीक्षार्थी उपस्थित रहे। परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू की गई। परीक्षार्थियों की सुबह 11 बजे से परीक्षा केंद्रों में एंट्री शुरू की गई और दोपहर 1:30 बजे प्रवेश बंद कर दिया गया। परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश पाने से पहले परीक्षार्थियों को तीन लेयर की सुरक्षा से होकर गुजरना पड़ा। पहले लेयर में पुलिसकर्मियों ने चेकिंग की, जबकि दूसरी लेयर में परीक्षा केंद्र पर तैनात स्टाफ और अंतिम लेयर में परीक्षा कक्ष में प्रवेश करने से पहले परीक्षार्थियों की चेकिंग की गई। पहली लेयर की चेकिंग के दौरान छात्राओं के नोजपिन, ईयर रिंग्स के साथ गले व कलाई के धागे उतरवाए गए। छात्रों के जूते खुलवाकर चेकिंग की गई। बायोमेट्रिक वैरिफिकेशन और पहचान पत्र की पुष्टि के बाद परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में जाने दिया गया। परीक्षार्थियों को रुमाल, पेन व पेंसिल के साथ फोन और किसी तरह के इलेक्ट्रानिक उपकरण अंदर ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। परीक्षार्थियों को पैन परीक्षा केंद्र पर ही उपलब्ध कराया गया। नीट की परीक्षा को शांतिपूर्ण कराने के लिए जिला प्रशासन अलर्ट रहा। डीसी अभिषेक मीणा, एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा व नोडल अधिकारी एसडीएम संजीव कुमार सहित शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया, वहीं परीक्षा केंद्र के बाहर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों के साथ थाना प्रभारी व प्रशासनिक अफसरों को तैनात किया गया था। शहर में भी सुरक्षा व्यवस्था के लिए कड़े इंतजाम किए गए थे। प

रत्येक सेंटर पर एक स्ट्रांग रूम बनोया गया था, जोकि पुलिस की निगरानी में था। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और जैमर का प्रबंध भी किया गया था। परीक्षा केंद्र के बाहर सुबह ही अभ्यर्थियों की भीड़ जमा हो गई थी। परीक्षा के पेपर रखने के लिए महाराणा प्रताप चौक स्थित एसबीआई बैंक में स्ट्रांग रूम बनाया गया, जहां से सुबह 10 बजे करीब सेंटरों पर पेपर पहुंचाए गए।

रेवाड़ी। नीट परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते डीसी व एसपी। फोटो : हरिभूमि

परीक्षा केंद्र के बाहर रहा सुरक्षा घेरा

परीक्षा के समय आसपास के साइबर कैफे व फोटो स्टेट सहित सभी दुकानें बंद रही। पुलिस की ओर से बेरिकेडिंग करके सुरक्षा घेरा बनाया गया। शहर के स्थित राजकीय बाल विद्यालय के परीक्षा केंद्र के मार्ग से वाहनों की आवाजाही भी बंद रही। परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, ईयरफोन, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर व पेन ड्राइव जैसे सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्णतयाः प्रतिबंध रहा। इसके अलावा ज्योमेट्री बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, राइटिंग पैड, स्केल और इरेजर जैसी वस्तुएं भी ले जाने की भी अनुमति नहीं दी गई। परीक्षा केंद्र में वॉलेट, हैंडबैग, बेल्ट, टोपी और धातु के आभूषण गेट पर ही रखवाए गए।

रेवाड़ी। गर्ल्स स्कूल के परीक्षा केंद्र के बाहर लगी परीक्षार्थियों की कतार।

जिले के इन केंद्रों पर हुई परीक्षा

जिले में नीट परीक्षा के लिए 11 परीक्षा केंद्र बनाए गए। राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेवाड़ी, पीएमश्री राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सरकुलर रोड रेवाड़ी, राजकीय महिला महाविद्यालय सेक्टर-18 रेवाड़ी, पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय नैचाना, पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय रेवाड़ी, राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज लिसाना, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुरावड़ा, पीएमश्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिठवाना, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बूढ़पुर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सहारनवास और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोकलगढ़ में परीक्षा केंद्र बनाए गए।

युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में एक और आरोपी भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

धारूहेड़ा थाना पुलिस ने गत 21 जनवरी की रात धारूहेड़ा के मोहल्ला रामनगर में एक युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वार्ड नंबर-6 धारूहेड़ा निवासी गौरव बगौरिया उर्फ तुषार को काबू किया है। पुलिस ने इस मामले दो नाबालिग सहित आठ आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। मोहल्ला रामनगर धारूहेड़ा निवासी देवेंद्र उर्फ दीपू ने अपनी शिकायत में बताया था कि गत 21 जनवरी की रात वह घर के बाहर गली में अपने दोस्त रोबिन से मिलने के लिए आया था। उसी दौरान गोरव चौधरी और दीनू जाट ने उसे फोन करके मिलने बुलाया। उसने इन लोगों को वहां पर आने के लिए कहा, दोनों दो गाड़ियों और बाइकों पर कई युवकों के साथ वहां आए और हथियार निकालकर

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। परिजनों और आसपास के लोगों के पहुंचने पर आरोपी उसे मार-पीटकर भाग गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित कई धाराओं के तहत मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त दो नाबालिग सहित आठ आरोपी धारूहेड़ा निवासी लक्की, मोहल्ला आजाद नगर धारूहेड़ा निवासी उत्तम तिवारी, पंजाबी मोहल्ला धारूहेड़ा निवासी विकास शर्मा उर्फ अलबाडी, गांव अलावलपुर निवासी जितेन्द्र उर्फ गोम, गांव महेश्वरी निवासी दिनेश उर्फ दिनू व गौरव चौधरी को पहले गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने शनिवार को मामले में संलिप्त एक और आरोपी गौरव बगौरिया उर्फ तुषार को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

अवैध देशी कट्टे के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। शहर थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव भोतवास अहीर निवासी देवपाल के रूप में हुई है। पुलिस को रविवार को सूचना मिली कि देवपाल निवासी गांव भोतवास अहीर अवैध हथियार के साथ सनसिटी बीपीएल कॉलोनी के पास घूम रहा है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 1 अवैध देशी कट्टा व 1 जिंदा रोंद बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम तहत मामला दर्ज किया है।

लूखी में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत मेडिकल बोर्ड से करवाया पोस्टमार्टम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

लूखी गांव में एक नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। ससुराल पक्ष के लोगों ने पुलिस को बताया कि उसने फांसी लगाकर जान दी है, जबकि मायके पक्ष के लोगों ने दहेज की मांग पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पति सहित चार लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। राजस्थान के लालपुर निवासी चरत सिंह ने अपनी बेटी प्रमिला की शादी 23 जनवरी को लूखी निवासी संतराम के बेटे धर्मेंद्र के साथ की थी। शादी में उसने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान-दहेज दिया था। चरत सिंह ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही उसकी बेटी को अधिक दहेज की मांग पर प्रताड़ित किया जाने लगा। शनिवार दोपहर संतराम ने उसे फोन पर बताया कि प्रमिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उसने

रेवाड़ी। प्रमिला की मौत के बाद अस्पताल में मौजूद परिजन। फोटो : हरिभूमि

पुलिस को मिली थी फांसी की सूचना

पुलिस के अनुसार संतराम ने प्रमिला के फांसी लगाने की सूचना दी थी। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, शव को फंदे से उतार लिया गया था। पुलिस ने मौके पर पहुंचने के बाद सीन ऑफ क्राइम टीम को बुलाया। इसके बाद घटनास्थल पर ही आवश्यक जांच पूरी की गई। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही चल सकेगा। मायके पक्ष के लोगों के अनुसार प्रमिला गर्भवती थी।

अपने भाई को तुरंत लूखी पहुंचने के लिए कहा। इसके बाद वह भी बेटी के ससुराल पहुंच गया। उसने आरोप लगाया कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर उसकी बेटी को मारा गया है। जब वह और उसके परिवार के सदस्य प्रमिला के ससुराल पहुंचे, तो उसका शव बेड पर पड़ा हुआ था। कमरे में पानी बिखरा हुआ था। पुलिस ने उसकी शिकायत के आधार पर प्रमिला के पति धर्मेन्द्र, उसकी सास पुष्पा, ससुर संतराम व उसकी ननंद प्रियंका के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

आज मौसम में फिर बदलाव की संभावना, बादलवाई के बीच बूंदाबांदी के आसार

मौसम में बदलाव से 3 डिग्री लुढ़का पारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मौसम का मिजाज बार-बार बदल रहा है। शनिवार की रात तेज आंधी के साथ बूंदाबांदी होने से तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, लेकिन उमस भरी गर्मी से राहत नहीं मिली। लू का असर कम होकर उमस में बदल गया। सप्ताह के शुरू में ही मौसम में एक बार फिर बदलाव आ सकता है। आसमान में घने बादलों के बीच हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इससे तापमान में गिरावट आने की संभावना है। रात के समय जिले के कई इलाकों में तेज आंधी के साथ बूंदाबांदी हुई। आंधी आने से रात को कई फीडरों की बिजली बंद हो गई, जिसे देर रात चालू किया गया। रविवार को सुबह के समय आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर तक तेज धूप हवा में 40 प्रतिशत तक नमी के कारण उमस बना दी। अधिकतम तापमान 3.0 डिग्री की गिरावट के साथ 38.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक सप्ताह पूर्व 27 अप्रैल को अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जिससे लोगों को हीट वेव का सामना करना पड़ा था। लू के कारण जनजीवन प्रभावित होना शुरू हो गया। मौसम में बदलाव के बाद लू का असर कम हो गया है, परंतु उमस भरी गर्मी जमकर पसीना निकाल रही है। पंखे, कूलर और एसी का उपयोग बढ़ने से बिजली की खपत भी बढ़ रही है। हवा में नमी का स्तर बढ़ने से उमस बनने लगी है।

अगर तापमान में कमी का सिलसिला जारी रहता है, तो नमी बढ़ने के कारण उमस भरी गर्मी जमकर परेशान करेगी। रविवार को दोपहर तक मौसम साफ रहने के बाद शाम के समय बादल छाने शुरू हो गए, जिससे एक बार फिर बूंदाबांदी के आसार बनने लगे।

उमस भरी गर्मी से नहीं मिली राहत

रेवाड़ी। रविवार को धूप से बचाव करते सर्कुलर रोड से गुजरते युवक-युवती।

पश्चिमी विक्षोभ हो रहा सक्रिय

मौसम विशेषज्ञ डा. चंद्रमोहन के अनुसार कमजोर पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम में एक बार फिर बदलाव देखने को मिलेगा। 4 मई को आंशिक या घने बादल छा सकते हैं। तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इससे तापमान में अगले कुछ दिनों तक कमी आने की संभावना है। दिन के समय उमस भरी गर्मी जमकर परेशान करेगी, लेकिन रात के समय मौसम अनुकूल बना रहेगा। अगले दो-तीन दिन तक मौसम परिवर्तनशील बना रह सकता है।

बढ़ने लगा प्रदूषण का खतरा

मौसम में बदलाव के साथ ही प्रदूषण का खतरा भी बढ़ने लगा है। बारिश के बाद एक्यूआई कम होकर 100 से नीचे आ गया था, जिससे लोगों को साफ हवा में सांस लेने का मौका मिल रहा था। हवा में नमी बढ़ने के साथ ही एक्यूआई भी बढ़ना शुरू हो गया है। रविवार को शाम के समय धारूहेड़ा का एक्यूआई 155 दर्ज किया गया, जिसमें अभी और वृद्धि हो सकती है।

कान्हड़वास के पास नहर में मिला युवक का शव

कोसली। रविवार दोपहर कान्हड़वास के पास नहर से करीब 35 वर्षीय युवक का शव मिला है। शिनाख्त नहीं होने के कारण पुलिस ने शव डेड हाउस में रखवा दिया। पुलिस मृतक की पहचान कराने के प्रयास कर रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि पंप हाउस से कुछ दूरी पर नहर में शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाया। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस के अनुसार मृतक के शरीर पर चोटों के कोई निशान नहीं पाए गए हैं। आसपास के गांवों में सूचना देकर पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने के प्रयास किए, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो सकी। बाद में शव को पहचान के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया।

कहानी

डा. रमाकांता

युद्ध विभीषिका

वह हर फ्लैट में जाकर लोगों का हाल-चाल पूछ रहा था-किसी को दवा चाहिए, किसी को खाना, कोई अकेला तो नहीं। उसे लगता था कि ऐसे समय में सबसे बड़ी ताकत है एक-दूसरे का साथ।

युद्ध ने इन सब को इस छोटे से बंकर में एक-दूसरे से सट कर रहने को विवश कर दिया, जहां केवल बैठा ही जा सकता था। यहां किसी को किसी के धर्म से ईर्ष्या नहीं।

खाड़ी में बसे उस छोटे-से शहर पर शाम का धुंधलका धीरे-धीरे छा रहा था। दिखने में सब कुछ सामान्य था, लेकिन फिर भी किसी अनहोनी का संकेत प्रकृति दे रही थी। हवा में धूल कण सांसों को घोट रहे थे। सोसायटी में अजीब सा सन्नाटा था, और हर चेहरे पर डर की अदृश्य परत जमी हुई थी। अभी तक यह क्षेत्र शत्रु के निशाने से बचा हुआ था। आसपास के क्षेत्र में सब-कुछ मलियामेट हो चुका था। हर सुबह सकुशल उठ कर भगवान का धन्यवाद करते थे। पर पता नहीं, उस दिन मन में अजीब सी व्याकुलता थी। युद्ध कुछ दिनों के लिए थम चुका था। सीज़फायर लागू था-पर लोगों को मालूम था कि यह शांति अस्थायी है, जैसे तूफान के पहले की खामोशी।

दुश्मन की नीयत पर विश्वास नहीं जम रहा था। उस शहर की एक बहुमंज़िला इमारत में नरेश अपने परिवार के साथ रहता था। भारत से नौकरी के सिलसिले में वह वर्षों पहले उस शहर में आया था। उसके साथ पत्नी सुमन और आठ साल का बेटा आरव भी था। नरेश एक डिपार्टमेंटल स्टोर चलाता था और सुमन एक बड़े अस्पताल में सीनियर नर्स की नौकरी करती थी। गृहस्थी सुचारू रूप से चल रही थी किन्तु खाड़ी देशों में युद्ध छिड़ने के कारण पिछले कुछ दिनों से उनके जीवन में सब-कुछ बदल गया था। सब घर में कैद। स्कूल- दफ़्तर और बाजार सब बन्द। जीवन घर की चारदिवारी में जड़ हो गया था। हर समय बम हमले का भय, बचाव की योजना और आने वाला हर पल अनिश्चित। उसकी मंजिला इमारत में सभी धर्मों के लोग रहते थे। सभी अपने जीवन में मस्त थे। भाषा भिन्नता के कारण उनका आपस में संवाद शून्य के बराबर था। बस हाय-हैलो से काम चल जाता था। पर युद्ध की संकट बेला में सभी एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। उस दिन सुबह से ही नरेश सोसायटी के लोगों के साथ खाने-पीने का सामान,पानी की बोतलें, सूखा राशन, बिस्कुट,दवाइयां, टॉर्च, बैट्री के सैल और विशेषकर गुड़ और भूने हुए चने अपने स्टोर से घर ले आया था।। अब वह संकट की हर घड़ी से निपटने को तैयार था। नरेश ने वर्षों पूर्व भारत में अपने दो पड़ोसी शत्रुओं के द्वारा थोपे गए तीन युद्ध-विभीषिका को झेला था। वह युद्धों की यादों से आज भी भयभीत है। आकाश में मंडराते बमवर्षक जहाज, लगातार बजते कानफोड़ सायरन, खंदकों की तरफ भागते लोग, रात का ब्लैक आऊट, अंधेरे में मोटे-मोटे मच्छरों का हमला, बगल में दबे रेडियो सैट से प्रसारित समाचार,नरेश को भूले नहीं थे। इस लिए उसने स्थिति से निपटने की अब पूरी तैयारी ली थी। नीचे पार्किंग में कुछ लोग इकट्ठा होकर सीज़फायर की चर्चा कर रहे थे।

"मुझे तो ये सीज़फायर भरोसे लायक नहीं लगता," एक बुजुर्ग बोले।

"सही कहा आपने," दूसरे ने हामी भरी, "दुश्मन कभी भी धोखा दे सकता है। ये सिर्फ तैयारी का समय है, भरोसे का नहीं।" तीसरे ने कहा- 'सीज़फायर से तो युद्ध ही ठीक है। कम से कम आर-पार की लड़ाई हो जाती है। एक ही बार तो मरना होता है। सीज़फायर में हम सब पल-पल मर रहे हैं। मौत का भय हरपल दम घोट रहा है। दोपहर में ही आकाश काले-काले विषैले धुएं से ढक जाता है। मेरी दादी को सांस लेने में दिक्कत होती है। हर समय लंबे -लंबे सांस लेती है'। उसकी बात सुनकर सब गंभीर हो जाते हैं। नरेश के मन में भी वही डर था, लेकिन वह अपने डर को चेहरे पर नहीं आने दे रहा था। उसने लड़के को सांत्वना देकर शांत किया। उसे भी तो अपने परिवार के लिए मज़बूत बने रहना था। वह हर फ्लैट में जाकर लोगों का हाल-चाल पूछ रहा था-किसी को दवा चाहिए, किसी को खाना, कोई अकेला तो नहीं। उसे लगता था कि ऐसे समय में सबसे बड़ी ताकत है एक-दूसरे का साथ। इसी दौरान उसकी नज़र तीसरी मंज़िल की बालकनी पर पड़ी। वहां एक वृद्ध महिला खड़ी थी। सफेद बाल, झुकी हुई कमर, और आंखों में गहरी थकान। वह अकेली खड़ी थी। नरेश ने उसे पहचान लिया। वह शाहिद की अम्मा फातिमा थी। नरेश को याद आया। कुछ दिन पहले अम्मा फातिमा को तेज बुखार हो गया था। तब सुमन ने ही उनको दवा लाकर दी थी। आजकल वह अकेली ही फ्लैट में रह रही थी। उनके बेटे-बहू कुछ दिन पहले ही शहर छोड़कर चले गए थे। उसे भी साथ ले जाने की बहुत जिद की, किंतु वह उनके साथ चलने को राजी नहीं हुई। यह उस के शौहर का घर था, जहां उनके जीवन की मिट्ठी यादें कैद थी।

'ये मेरा घर है मैं यहीं रहूँगी, मेरा मरना- जीना इसी घर में होगा।' उसे देखकर नरेश को अपने घर की कुछ पुरानी बातें याद आ गई। उसका दिल बैठ गया। उसने बिना देर किए सीढ़ियां चढ़नी शुरू की। हर कदम के साथ उसका मन और बेचैन हो रहा था। नरेश द्वारा फातिमा के घर का दरवाज़ा खटखटाने पर अंदर से धीमी आवाज़ आई-

"कौन? "अम्मा, मैं नरेश नीचे वाले फ्लैट से। जल्दी दरवाजा खोलो'। दरवाजा खुला। फ़ातिमा अम्मा ने उसे देखा और हल्की मुस्कान दी- "बेटा, सब ठीक है ना?" नरेश ने बिना घुमाए-फिराए कहा-"अम्मा, आप जल्दी नीचे मेरे साथ हमारे घर चलिए। अभी आप के लिए यहां अकेले रहना ठीक नहीं है। बंकर भी हमारे घर के पास है, कुछ हुआ तो हम तुरंत बंकर में पहुंच जाएंगे।" अम्मा ने धीरे से सिर हिलाया, "नहीं बेटा, मैं ठीक हूं। इतनी उम्र में कहां जाऊंगी?" नरेश ने थोड़ा दृढ़ होकर कहा, "अम्मा, ये जिद करने का समय नहीं है। आप मेरे साथ चलिए अभी।" उसकी आवाज़ में इतना प्यार,सच्चाई और चिंता थी कि अम्मा मना नहीं कर पाईं। उन्होंने एक छोटा-सा बैग उठाया और नरेश के साथ नीचे उसके घर आ गई आ गई। जैसे ही वे नीचे पहुंचे, अचानक आसमान में एक तेज़ आवाज़ गूंजी-धड़ाम!!! धड़ाम। एकदम धरती कांप उठी। मानो भूकंप आया हो। लोग चीखने लगे-भागो, हमला हमला शुरू हो गया!" चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। सब बदहवास होकर बंकर की ओर भाग रहे थे। सीज़फायर टूट चुका था। इमारतें धूं-धूं कर जलने लगी थी। उस समय सुमन बराबर वाली सोसाइटी में एक महिला का प्रसव करवाने गई हुई थी। नरेश ने बिना एक पल गंवाए आरव का हाथ पकड़ा और फ़ातिमा अम्मा को सहारा देते हुए बंकर की ओर दौड़ पड़ा। चारों तरफ धूल, धुआं, चीखें और लगातार फटते बमों की भयंकर आवाज़ दिल दहला रही थी। हर कदम पर खतरा था, लेकिन नरेश का ध्यान सिर्फ एक चीज़ पर था-सबको सुरक्षित पहुंचाना। बंकर उनके घर से कुछ ही दूरी पर था। जैसे-तैसे वे वहां पहुंचे। अंदर पहले से ही कई लोग जमा थे। सब डरे हुए, सहमे हुए, लेकिन जिंदा थे। कुछ देर बाद जब बमबारी थोड़ी थमी, तो बाहर का नज़ारा भयावह था। उनकी इमारत का ऊपर का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था और वह हिस्सा वही था जहां फ़ातिमा अम्मा का फ्लैट था। वह दृश्य देखकर अम्मा की आंखों से आंसू बहने लगे।

'अगर मैं वहीं रहती तो?'

नरेश ने धीरे से कहा-"अम्मा, अब आप हमारे साथ हैं, बस यही जरूरी है।" अम्मा ने उसका हाथ अपने दोनों हाथों में थाम लिया और बोली-"तुमने आज मेरी जान बचाकर मुझ पर बड़ा अहसान किया है। अल्लाह तुमको लंबी उम्र बख्शे बेटा।" उस रात बंकर में बैठे-बैठे नरेश न जाने क्या-क्या सोचता रहा। लोग धर्म -जाति के नाम पर दिन- रात एक-दूसरे से लड़ते हैं, दंगे करते हैं। एक -दूसरे का गला काटते हैं। युद्ध ने इन सब को इस छोटे से बंकर में एक-दूसरे से सट कर रहने को विवश कर दिया, जहां केवल बैठा ही जा सकता था। यहां किसी को किसी के धर्म से ईर्ष्या नहीं। सब अपनी नमाज, पूजा-पाठ भूल गए थे। किसी में भी कोई दुराव नहीं। सभी आपस में प्यार से बातचीत में मग्न थे। तभी अम्मा को खांसी आ गई। नरेश ने अम्मा को पानी पिलाया और बैग में से कुछ बिस्कुट निकाल कर अम्मा तथा आरव को खाने को दिए। वह स्वयं गुड़-चना खाने लगा। अम्मा ने भी नरेश से खाने के लिए गुड़-चना लिए। बंकर में सभी एक दूसरे की मदद कर रहे थे। भोजन बांट-बांट कर खा रहे थे। सब बच्चे सो गए थे। शेष लोग सारी रात जागते रहे। पुनः बमबारी की आशंका से कोई भी बंकर से बाहर निकलने का साहस नहीं कर पा रहा था। सब सुबह का इंतजार करने लगे। युद्ध ने घर, चैन, सुरक्षा सबकुछ छीन लिए, लेकिन एक चीज़ अब भी बची हुई थी,वह थी 'मानवता'।

सुमन अपने बंकर में लौट आई थी। उसने बताया कि जोसेफ के घर एक बेटे ने जन्म लिया है। जच्चा -बच्चा दोनों स्वस्थ तथा सुरक्षित थे। अगले दिन जब हालात थोड़े सामान्य हुए, तो सोसायटी के लोग एक-दूसरे का हाल पूछ रहे थे। हर कोई नरेश की तारीफ कर रहा था, लेकिन वह बस मुस्कुरा रहा था। उसने जो किया, वह कोई वीरता नहीं थी-वह तो बस एक इंसान का कर्तव्य था। बस उसे संतोष था। चीन युद्ध में उसने अपनी दादी को खो दिया था। उस समय वह बहुत छोटा था। दादी के लिए कुछ कर नहीं पाया था। उसे अनुभूति हुई कि अम्मा के रूप में उसकी दादी उसे आशीर्वाद दे रही है। अचानक युद्ध समाप्त होने की घोषणा हो गई। सबने राहत की सांस ली। सब जीवन को पुनः व्यवस्थित करने में जुट गए। युद्ध सरहदों पर ही नहीं लड़ा जाता, वह इंसान के भीतर भी चलता है- डर और साहस के बीच, स्वार्थ और मानवता के बीच। सही समय पर लिया गया एक विवेकपूर्ण निर्णय न सिर्फ एक जीवन, बल्कि पूरी इंसानियत को बचा सकता है।

पुस्तक समीक्षा

मनमौजी कविताओं का संग्रह है चांद, प्रकृति और कवि

समीक्षक

डॉ. संतोष गर्ग 'तोष'

कविता संग्रह चांद, प्रकृति और कवि के लेखक सुनील मिनोचा की यह पहली पुस्तक है। मनभावन आवरण पृष्ठ और कवि की उत्कृष्ट सोच को पढ़कर ऐसा नहीं लगता कि यह कवि का पहला प्रयास है। इस काव्य संग्रह का जैसा नाम है, ठीक वैसे ही उनकी कविताएं प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती हैं। सुनील मिनोचा योगाचार्य और लाफ्टर लीडर हैं, वैसे ही इनकी कविताएं आशावादी, सकारात्मक, उपदेशात्मक और प्रकृति के प्रति समर्पण की सोच व दृष्टि इस पुस्तक में प्रकाशित कविताओं में मिलती है। 'मैं जहां भी जाता हूं, एक आशा की किरण अपने साथ रखता हूं।' आरंभ में ही कितनी बड़ी बात लिखी है। संतों से उपदेश देती इनकी कविताएं:- 'हे प्राणी! जीवन है अनमोल, इसको घुट- घुट कर न रोल। मीठे बोल सभी को भाएं, मिश्री की तरह झट घुल जाएं।। कविताओं की भाषा शैली बड़ी ही सरल, सहज, सौम्य है। मानवता, दया, करुणा से भरी कविताएं इनके संवेदनशील हृदय के दर्शन करवाती हैं। रसोई की खिड़की, अदृश्य चांद, वो पल आदि रचनाएं भी पठनीय हैं। कुछ कविताओं को पढ़कर इनके बालपन का अंदाजा भी भली-भांति लगाया जा सकता है। इसी सोच को लेकर सुनील मिनोचा लिखते हैं कि आओ हम छोटे बच्चे बन जाएं, जो मंद- मंद हंसें और मुस्कुराएं, जिंदगी आसानी से कट जाए। कविताओं में होली का हुड़दंग है, त्योहारों की मस्ती है, बचपन की यादें हैं, गिद्धा- ढोलक, भंगड़ा है, ध्यान लगाने की विधि है, भोर का आनंद है, नारी शक्ति का विवरण है, सोए हिंदुओं को जगाने का आह्वान है, बुढ़ापे की चिंता और चिंतन हैं। इनकी रचनाएं सचेत करती हैं- घबराती नहीं, रुकने का नहीं बल्कि चलने का नाम लेती हैं। मंजिलों को छूने की बात करती हैं। दया- धर्म हृदय में रखते हुए विभिन्न सुगंध देती कविताएं हैं। कहीं पर्यावरण की, कहीं जल बचाने की चिंता है। कहीं ध्यान, प्राणायाम है और कहीं हंसते-हंसते योग है।

सुनील मिनोचा

कवि

धर्म परिवर्तन , राष्ट्रभक्ति, शहीदों की, पहाड़ों-पेड़ों और धरती की विनम्रता की भी बातें करती हैं। हम कह सकते हैं कि इनकी कविताओं में गंगा मैया की भांति बहते भाव हैं। सरिता की लहरों का कल-कल करता संगीत है, सच्चाई है। कुल मिलाकर सुनील मिनोचा का यह कहना भी सार्थक सिद्ध होता है कि लिखते- लिखते कवि बन बैठा। खुशियां कैसे और कहां-कहां ढूँढी जा सकती हैं, इस पुस्तक को पढ़ कर बड़ी आसानी से पाठक अपना जीवन खुशहाल बना सकते हैं। अंततः सुनील मिनोचा की पहली पुस्तक के प्रकाशन पर बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं देती हूं।

कवि कॉर्नर

ग़ज़ल — श्रीभगवान बव्वा

मिलना मिलाना

मिलना मिलाना क्यों चाहिए,
दिल को दुखाना क्यों चाहिए ।

जब नहीं पसंद हूं मैं उनको ,
ये आना जाना क्यों चाहिए ।

तेरी गोद में सर रख दूंगा ,
जन्नत में जाना क्यों चाहिए।

है तुझे पता तू हूर नहीं,
फिर भी इतराना क्यों चाहिए।

जब बात बन रही चुपके से,
सब पे गुर्राना क्यों चाहिए।

बसी दिलों में ख़ूब नफ़रतें,
ये हाथ मिलाना क्यों चाहिए ।

सुन नहीं पाते, जहां धड़कन,
नज़में सुनाना क्यों चाहिए ।

कविता — सत्यप्रकाश बलेवा 'साम '

व्यंग्य — विनीत पाण्डेय

मंच, माइक, माला और अध्यक्ष की महिमा

अध्यक्षता का सबसे मनोरंजक दृश्य वह सम्मान समारोह है, जहां उन्हें शॉल और माला से लाद दिया जाता है। यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो किसी विजेता को युद्ध से लौटने पर पुरस्कृत किया जा रहा हो, जबकि उनका एकमात्र संघर्ष मंच पर तीन घंटे बिना हिले-डुले बैठना था। मालाएं इतनी ऊंची हो जाती हैं कि अध्यक्ष का चेहरा गायब हो जाता है। स्मृति चिन्ह थमाते समय फोटो ऐसे खिंचवाई जाती है जैसे यह क्षण इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला हो।

सार्वजनिक कार्यक्रमों में अध्यक्षता करना हमारे देश की वह महान कला है, जिसके सामने बाकी सारी कलाएं पानी भरती नजर आती हैं। कार्यक्रम चाहे किसी मोहल्ले की बैठक का हो, किसी विशेष दिवस का हो या किसी की जयंती का, जब तक मंच के बीचों-बीच एक अध्यक्ष नामक प्राणी विराजमान न हो जाए, तब तक कार्यक्रम को मोक्ष प्राप्त नहीं होता। किसी भी आयोजन की शोभा, उसकी गंभीरता और उसकी प्रतिष्ठा इस बात से आँकी जाती है कि उसमें अध्यक्ष कौन है। अध्यक्ष किसे बनाया जाए, यह भी एक बड़ा प्रश्न होता है। साधारण आदमी को तो कोई पूछता ही नहीं, क्योंकि उसे मंच पर बैठाने से समारोह का कद छोटा हो जाएगा।

आयोजकों की पहली प्राथमिकता वह व्यक्ति होता है या तो जिसके नाम के साथ पूर्व या माननीय टाइप के चार-पांच विशेषण लगे हों या जो भारी चंदा दे सके, लेकिन अध्यक्ष बनने की असली मुश्किल तब आती है जब कार्यक्रम शुरू हो जाता है। अध्यक्ष की बारी हमेशा सबसे आखिर में आती है। उनके बोलने तक मंच पर मौजूद हर वक्ता सब कुछ कह चुका होता है, विषय की बारीकियां, आंकड़े, उदाहरण, ऐतिहासिक संदर्भ सब खत्म हो चुके होते हैं। अब अध्यक्ष बेचारे किस पर बोलें? ऐसे में दो ही रास्ते बचते हैं। पहला, पहले से कही हुई बातों को अपने शब्दों में दोहराना और यह जताना कि उन्होंने सबको ध्यान से सुना है। दूसरा, विषय से हटकर कोई पुरानी घटना, कोई किस्सा या कोई व्यक्तिगत अनुभव सुना देना, ताकि लोग ऊब न जाएं और उन्हें लगे कि अध्यक्ष ने कुछ अलग कहा। अध्यक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है खुद को विद्वान सिद्ध करना, क्योंकि श्रोता उम्मीद करते हैं कि इतने प्रतिष्ठित व्यक्ति को बुलाया गया है तो वह कुछ ऐसा कहेगा जो किसी और ने नहीं कहा। जब तक उनकी बारी आती है, सारी नई बातें खत्म हो चुकी होती हैं। मजबूरी में वह वही बातें थोड़ी गंभीरता और थोड़े वजनदार शब्दों में दुहराते हैं। जैसे कोई कह चुका हो कि हमारे समाज में शिक्षा की आवश्यकता है, तो अध्यक्ष कहेंगे वास्तव में, शिक्षा समाज की आत्मा है, और शरीर के लिए आत्मा बहुत जरूरी होती है। कई बार अध्यक्ष यह भी मान लेते हैं कि जब सब कुछ कहा जा चुका है, तो क्यों न अवसर का लाभ उठाकर अपनी पसंदीदा कहानियां सुना दी जाएं। कार्यक्रम चाहे पर्यावरण संरक्षण पर हो या पुस्तक विमोचन का, अध्यक्ष महोदय जेपी आंदोलन का कोई संस्मरण सुनाने लगेंगे, या अपनी पहली नौकरी के अनुभव साझा कर देंगे। कई अध्यक्ष अपने भाषण में संक्षिप्त रहने का वादा करते हैं और फिर घड़ी देखकर भी भूल जाते हैं कि संक्षिप्त का मतलब पैंतालीस मिनट नहीं होता। अध्यक्ष जी जब कहते हैं 'मैं अंत में बस इतना ही कहूंगा...' तो समझ लीजिए कि अभी कम से कम बीस मिनट का मसाला और बाकी है। आयोजक असहज होते हैं, श्रोता मोबाइल में व्यस्त हो जाते हैं, लेकिन अध्यक्ष महोदय इस भ्रम में डूबे रहते हैं कि लोग उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं कि उन्होंने एक विद्वत्तापूर्ण भाषण दे दिया। श्रोताओं की सहनशीलता की भी दाद देनी चाहिए। वे उस अध्यक्षीय निष्कर्ष का इंतजार ऐसे करते हैं जैसे कयामत के दिन का। आधे लोग सोचते हैं कि अध्यक्ष कुछ गंभीर बातें कहेंगे, बाकी आधे लोग बस इंतजार कर रहे होते हैं कि कब उनका भाषण ख़त्म हो और वे घर लौटें। आयोजकों के लिए अध्यक्ष एक कवच की तरह है। यदि कार्यक्रम में कोई अव्यवस्था हो जाए, माइक खराब हो जाए या भीड़ कम आए, तो वे सब कुछ अध्यक्ष की गरिमा के पीछे छुपा देते हैं। 'अध्यक्ष जी आए, यही हमारे लिए बड़ी बात है'। यह वाक्य हर असफलता का मरहम बन जाता है। अध्यक्षता का सबसे मनोरंजक दृश्य वह सम्मान समारोह है, जहां उन्हें शॉल और माला से लाद दिया जाता है। यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो किसी विजेता को युद्ध से लौटने पर पुरस्कृत किया जा रहा हो, जबकि उनका एकमात्र संघर्ष मंच पर तीन घंटे बिना हिले-डुले बैठना था। मालाएं इतनी ऊंची हो जाती हैं कि अध्यक्ष का चेहरा गायब हो जाता है। स्मृति चिन्ह थमाते समय फोटो ऐसे खिंचवाई जाती है जैसे यह क्षण इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला हो। किन्तु सत्य यही है कि इस देश में भाषण भले ही कोई भी दे, जलवा हमेशा उसी का रहता है, जिसके पास अध्यक्षीय कुर्सी होती है। अध्यक्ष कार्यक्रम का वह स्वर्णिम समापन है, जिन्हें सुनकर जनता राहत की सांस लेती है और घर जाकर यह भूल जाती है कि अध्यक्ष जी ने आखिर कहा क्या था।

कुछ हटकर

बी.आर्क के बाद करियर विकल्प रचनात्मकता व तकनीकी कौशल

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

नई शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यार्थी अब अर्बन डिजाइन, ग्रीन आर्किटेक्चर, स्मार्ट सिटी प्लानिंग जैसे विशेष क्षेत्रों में भी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

बी.आर्क (बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर) एक पाँच वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को भवन निर्माण, डिजाइनिंग, शहरी नियोजन और पर्यावरणीय संरचना की गहन समझ प्रदान करता है। इस कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को आर्किटेक्चरल डिजाइन, बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन, एनवायरनमेंटल स्टडीज, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, इंटीरियर डिजाइन, लैंडस्केप आर्किटेक्चर और कम्प्यूटर एडेड डिजाइन जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल ड्रॉइंग या डिजाइनिंग सिखाना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को सस्टेनेबल डेवलपमेंट और इनोवेटिव स्ट्रक्चर डिजाइनिंग में दक्ष बनाना है।

विशेषज्ञताएं

आर्किटेक्चर के क्षेत्र में कई प्रकार की विशेषज्ञताएँ उपलब्ध हैं, जिनमें विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं —

- आर्किटेक्चरल डिजाइन
- अर्बन और रीजनल प्लानिंग
- लैंडस्केप आर्किटेक्चर
- इंटीरियर आर्किटेक्चर
- ग्रीन और सस्टेनेबल आर्किटेक्चर
- हेरिटेज और कंजर्वेशन आर्किटेक्चर
- कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट
- डिजिटल और कम्प्यूटेशनल डिजाइन

आवश्यक कौशल

एक सफल आर्किटेक्ट बनने के लिए विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच के साथ-साथ तकनीकी और प्रबंधन कौशल भी आवश्यक हैं -रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति, तकनीकी ड्रॉइंग और डिजाइन की समझ, सी.ए.डी. सॉफ्टवेयर जैसे ऑटो कैड, रेवित, स्केचअप, रहीनो में दक्षता स्ट्रक्चरल और एनवायरनमेंटल जागरूकता आदि।

निजी क्षेत्र में विकल्प

बी.आर्क स्नातकों के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएँ हैं। रियल एस्टेट, कंस्ट्रक्शन, इंटीरियर डिजाइन फर्म्स, आर्किटेक्चरल कंसल्टेंसीज और इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में आर्किटेक्ट्स की लगातार माँग बनी रहती है।

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन लगभग 4 से 8 लाख वार्षिक तक होता है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह 12 से 25 लाख वार्षिक तक पहुँच सकता है।प्रमुख कंपनियाँ जैसे डी.एल.एफ., एल एंड टी कंस्ट्रक्शन, टाटा प्रोजेक्ट्स, सी.पी. कुकरेजा आर्किटेक्ट्स, बी.आर्क स्नातकों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी बी.आर्क स्नातकों के लिए अनेक प्रतिष्ठित अवसर उपलब्ध हैं। पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, हाउसिंग बोर्ड, अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स और भारतीय रेल जैसे संस्थानों में आर्किटेक्ट्स की नियुक्ति की जाती है।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन ₹5 से ₹9 लाख वार्षिक तक होता है, जबकि वरिष्ठ पदों पर यह ₹15 से ₹20 लाख वार्षिक तक पहुँच सकता है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

नवगीत

दुःख की गठरी लिए घूमती
रोज सुबह और शाम
परछाई भी तैयार है
पाने को वरदान।

तन खाता महा कष्ट के
बर्तन भर-भर रोज
चलता-फिरता हाड़-मांस
करता उसी में मौज
रिश्ते नातों की बात का
करते हैं नित मान।

कर्म सलोने किए बहूत
मिले जीवन का सार
बर्बादी की मंजिल बचे
सत्कर्मों से प्यार
ईश-कृपा होती जहां
करते हैं वे ध्यान।

हर दिन वह तैयार है
करने को संग्राम
पेट काटती शाम तलक
करती वह न विश्राम
जर्जर काया पुलकित हो
करती है गुणगान।

मोटिवेशनल

डिग्री बनाम स्किल्स: युवा क्या चुनें ?

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज का युवा एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहां विकल्प पहले से कहीं अधिक हैं, लेकिन भ्रम भी उतना ही गहरा है। एक ओर वर्षों से चली आ रही सोच है कि डिग्री ही सफलता की कुंजी है, वहीं दूसरी ओर बदलती दुनिया यह संकेत दे रही है कि स्किल्स यानी कौशल ही असली पहचान बन रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है- आज का युवा डिग्री चुने या स्किल्स? सच यह है कि आज का समय डिग्री बनाम स्किल्स का नहीं, बल्कि डिग्री के साथ स्किल्स का है।

बदलती दुनिया, बदलती मांग : तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने काम करने के तरीके ही बदल दिए हैं। आज कंपनियां यह नहीं पूछतीं कि आपने कहां से पढ़ाई की है, बल्कि यह जानना चाहती हैं कि आप क्या कर सकते हैं। कोडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, कम्युनिकेशन, समस्या-समाधान और टीमवर्क- ये सभी ऐसे कौशल हैं, जिनकी मांग हर क्षेत्र में बढ़ रही है। एक सर्वे के अनुसार, कई नियोक्ता मानते हैं कि डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों की तुलना में स्किल्ड उम्मीदवार जल्दी सीखते हैं और बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

क्या डिग्री अब बेकार हो गई है? : बिल्कुल नहीं। डिग्री ज्ञान की नींव देती है, सोच विकसित करती है और अनुशासन सिखाती है। समस्या तब होती है, जब युवा यह मान लेते हैं कि डिग्री मिलते ही सफलता अपने आप मिल जाएगी। आज हकीकत यह है कि केवल डिग्री काफी नहीं है, अगर उसके साथ जरूरी कौशल न हों। डिग्री आपको प्रवेश दिला सकती है, लेकिन आगे बढ़ाने का काम स्किल्स ही करती हैं।

स्किल्स क्यों बन रही हैं सबसे बड़ी ताकत : स्किल्स आपको आत्मनिर्भर बनाती हैं। आज हजारों युवा ऐसे हैं, जिन्होंने साधारण पृष्ठभूमि से आकर डिजिटल स्किल्स, डिजाइन, कंटेंट राइटिंग, ट्रेनिंग, कंसल्टिंग या तकनीकी कौशल के दम पर अपनी पहचान बनाई है। स्किल्स आपको सीखते रहने की आदत सिखाती हैं, और यही आदत भविष्य में आपको प्रासंगिक बनाए रखती है। युवाओं को क्या करना चाहिए? आज के युवा को यह समझना होगा कि सफलता किसी एक रास्ते से नहीं आती।

पढ़ाई के साथ-साथ नए कौशल सीखें : इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट और फील्ड अनुभव को महत्व दें। सिर्फ नौकरी खोजने वाला नहीं, समस्या सुलझाने वाला इंसान बनें। हर साल खुद को पहले से बेहतर बनाने का लक्ष्य रखें। आज का युग डिग्री या स्किल्स में से किसी एक को चुनने का नहीं है, बल्कि दोनों के संतुलन का है। डिग्री आपकी सोच को दिशा देती है और स्किल्स आपकी उड़ान को ऊंचाई। जो युवा इस संतुलन को समझ लेता है, वही अपना भविष्य सुरक्षित करता है। आज के समय में सबसे बड़ी डिग्री है सीखते रहने की इच्छा, और सबसे बड़ा कौशल है- खुद को हर दिन बेहतर बनाना।

लघु कथा

कण-कण में...

डॉ. अंजना गर्ग

कहानीकार

वृंदावन की गलियों में भीड़ थी। भजन की धुन, मंदिरों की घंटियाँ और श्रद्धालुओं की आस्था हवा में घुली हुई थी।

एक सज्जन खड़े-खड़े ऊंची आवाज़ में प्रवचन दे रहे थे—

"यहां तो कण-कण में भगवान हैं...आप जहां भी उन्हें पुकारेंगे, वे वहीं प्रकट हो जाते हैं..."

आसपास खड़े लोग श्रद्धा से सिर हिला रहे थे। प्रवचन समाप्त हुआ।

उसी सज्जन ने पास की दुकान से पूड़ी-सब्ज़ी खाई, और जूठी पत्तल को लापरवाही से सड़क किनारे फेंक दिया।

यह सब अनु देख रही थी।

वह उनके पास आई और शांत स्वर में बोली—

"आपकी बात गलत है।"

सज्जन चौंके—"क्या मतलब?"

अनु ने उसी पत्तल की ओर इशारा किया—"या तो कण-कण में भगवान नहीं हैं...या फिर आपने अभी-अभी भगवान के मुंह पर यह जूठा फेंका है।"

सज्जन के चेहरे पर जैसे शब्द सूख गए। अनु आगे बढ़ गई और पीछे, वृंदावन की वही गलियां थीं। जहां शायद भगवान अब भी खड़े थे...यह देखने के लिए कि लोग उन्हें मानते ज़्यादा हैं, या समझते।

खबर संक्षेप

सुरेंद्र पाराशर को रेवाड़ी व धारूहेड़ा की जिम्मेदारी

नारनौल। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस द्वारा नगर निगम, नगर परिषद एवं नगर पालिका चुनावों के प्रचार अभियान के लिए जारी की गई सूची में कांग्रेस नेता एवं गांव नांगतिहाड़ी की पूर्व सरपंच के प्रतिनिधि सुरेंद्र पाराशर को रेवाड़ी और धारूहेड़ा क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो विश्वास जताया है, वह उसके लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ चुनाव प्रचार में जुटेंगे।

बाछौद में फिरनी पर कब्जे का लगाया आरोप

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांव बाछौद में सार्वजनिक फिरनी पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी अटेली नांगल को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में बताया गया है कि गांव की फिरनी जो दक्षिण दिशा में स्थित है और जिसकी चौड़ाई करीब 33 फीट है उस पर कुछ लोगों द्वारा लगातार कब्जा किया जा रहा है।

प्रभात फेरी में उमड़ा आस्था का सैलाब

नारनौल। श्रीराधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार 172वीं फेरी श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ निकाली गई। राधा कृष्ण पार्क स्थित स्कूल के पास से शुरू हुई इस प्रभात फेरी में यजमान राधा कृष्ण योगा ग्रुप महिला मंडल ने परिवार सहित भाग लिया। प्रभात फेरी के दौरान राधे राधे के जयकारों और ढोल नगाड़ों की मधुर ध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं व पुरुष सभी भक्ति रस में लीन नजर आए। वहीं जगह जगह लोगों ने अपने घरों की छतों से फूल बरसाए, श्रीराधा संकीर्तन रथ के साथ कई स्थानों पर ठाकुर जी की आरती कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। प्रभात फेरी के समापन पर सभी श्रद्धालुओं ने सनातन धर्म के जयकारों के साथ प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही आगामी प्रभात फेरी का आयोजन मोहल्ला देवस्थान निवासी रविंद्र चौधरी के निवास स्थान पर किए जाने की सूचना दी गई।

आरंभिक जांच के बाद पुलिस ने रंजिश का मामला बताया

ट्रांसपोर्टर के कार्यालय में तोड़फोड़ मंथली मांगने के लगाए आरोप

- जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप, शिकायत पर पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

रेवाड़ी। ट्रांसपोर्टर के ऑफिस का तोड़ा गया गेट।

आसलवास गांव में एक ट्रांसपोर्टर के ऑफिस में तोड़फोड़ करने और मंथली नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देने की शिकायत पर कसोला पुलिस ने जांच शुरू कर दी। आरंभिक जांच में मामला आपसी रंजिश का सामने आया है, जिसकी जांच की जा रही है।

आसलवास निवासी राजेश ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह ट्रांसपोर्टर का काम करता है। उसने आरोप लगाया कि उसी के गांव के धर्मेंद्र ने उससे मंथली की मांग की थी। उसने एक बार 8 हजार रुपये दे दिए थे। शनिवार की रात वह अपने ऑफिस में ही सोया हुआ था। इसी दौरान धर्मेंद्र दो अन्य लोगों के साथ शीशा तोड़कर उसके ऑफिस में घुस गया। मंथली नहीं देने पर उसने पिस्टल तानकर जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान उसने मौका पाकर अपनी गाड़ी में लगाया हूटर बजा दिया। आरोपी पुलिस की गाड़ी समझकर वहां से भाग निकले। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू कर दी।

पुलिस का कहना है कि मामला दो पक्षों के बीच रंजिश का है। इससे पहले भी दोनों पक्षों के बीच विवाद हो चुका है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। जांच के बाद मामले के अनुसार केस दर्ज किया जाएगा। दोनों पक्षों को थाने में बुलाया गया है।

घर-घर पहुंचकर परिवारों से जानकारी जुटा रहे गणनाकर्ता

- शुरू हो चुका है मकानों की सूचीकरण का काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जनगणना-2027 के पहले चरण के तहत जिले में 1 मई से मकान सूचीकरण का कार्य शुरू हो चुका है। इस दौरान गणनाकर्ता घर-घर पहुंचकर परिवारों से 33 महत्वपूर्ण सवालों की जानकारी जुटा रहे है। मकानों के सूचीकरण का यह कार्य 30 मई तक संचालित किया जाएगा। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि जनगणना का उद्देश्य देश की जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति से संबंधित अद्यतन आंकड़े संकलित करना है, जिससे विकास योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। जिले में मकान सूचीकरण के कार्य को 1900 ब्लॉकों में विभाजित किया गया है, जहां घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित की जाएगी।

इसके लिए प्रगणकों की नियुक्ति की गई है, जो सीधे नागरिकों से संपर्क कर आवश्यक जानकारी जुटा रहे है। इस कार्य की निगरानी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए पर्यवेक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

33 सवालों के जवाब होंगे दर्ज

डीसी ने बताया कि जनगणना के दौरान गणनाकर्ता को कोई दस्तावेज दिखाने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रगणकों की ओर से नागरिकों से मकान की स्थिति, परिवार के सदस्यों की संख्या, परिवार प्रमुख का नाम, पेयजल सुविधा, बिजली कनेक्शन, शौचालय एवं बाथरूम की उपलब्धता, गैस कनेक्शन, रेडियो-टीवी, केबल सुविधा, वाहन जैसे साइकिल, मोटरसाइकिल एवं कार, परिवार की ओर से उपयोग किए जाने वाले मुख्य अनाज तथा मोबाइल नंबर जैसी सामान्य जानकारी ली जाएगी। डीसी ने नागरिकों से जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों का सहयोग करने और सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जानकारी देते समय नागरिक सजग रहें। गणनाकर्ता की ओर से आधार कार्ड नंबर, पैन कार्ड नंबर, बैंक खाता विवरण या किसी भी प्रकार की ओटीपी की जानकारी नहीं पूछी जाएगी।

सीबीएसई कार्यशाला में बताईं आधुनिक शिक्षण पद्धतियां

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में नई शिक्षा नीति के तहत सीबीएसई के क्षमता निर्माण कार्यक्रम विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराना व कक्षा में छात्रों की भागीदारी को और अधिक प्रभावी बनाना था। कार्यशाला में मुख्य संसाधन व्यक्ति अनीता यादव व पूनम नेहरा उपस्थित रही। उन्होंने अपने संबोधन में जोर दिया कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि छात्रों को गतिविधियों के माध्यम से सीखने के लिए प्रेरित करना चाहिए। प्राचार्य नरेश कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया। संस्थान के डायरेक्टर सुरेश यादव ने विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए कहा कि बदलती शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षकों को खुद को अपडेट रखना अनिवार्य है। चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने अपने संदेश में कहा कि यदुवंशी संस्थान हमेशा से ही शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

बाबा नानूगंवाला मंदिर में लगे भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

मंडी अटेली। गांव अटेली में स्थित बाबा नानूगंवाला मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया जहां क्षेत्र के विभिन्न गांवों के श्रद्धालुओं ने भंडारे में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। बाबा की समाधि पर श्रद्धालुओं ने माथा टेककर अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना की भंडारे की पूर्व संध्या पर कलाकारों द्वारा जागरण किया गया। जानकारी के अनुसार गांव अटेली में बाबा नानू वाला मंदिर परिसर में एक भव्य मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। श्रद्धा अनुसार चंदा देकर बाबा के नवनिर्मित भवन में आहुति डाली जा रही है, ग्रामीणों द्वारा बढ़-चढ़कर चंदा दिया जा रहा है। यह मंदिर अब भव्य मंदिर के रूप में जाना जाएगा। गांव में मंदिर के साथ खेल का मैदान भी तैयार किया जाएगा, जिसमें युवा मनोरंजन कर सकेंगे श्रद्धालुओं द्वारा दिल खोलकर चंदा दिया जा रहा है, जिसमें भगवान नानक वाला महाराज के आलोक की मूर्ति स्थापित की जाएगी तथा शिव परिवार मंदिर भी बनाया जाएगा। गांव में मंदिर निर्माण की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

तापमान में उतार चढ़ाव जारी, गर्मी से नहीं मिल रही राहत

नारनौल। क्षेत्र में अप्रैल माह में मौसम में बड़े उतार चढ़ाव देखने को मिला। अप्रैल महीने पहले पखवाड़े में तेज गति की हवाओं के साथ बारिश, ओलावृष्टि तथा इसके बाद दुसरे पखवाड़े में तापमान में रिकॉर्ड तोड़ बढ़ोतरी व अन्तिम दिनों में फिर से आंधी अंधड़, हल्की बारिश, बूंदाबांदी व ओलावृष्टि हुई। अब मई महीने में मौसम में बड़े बदलाव व उलट-फेर देखने को मिलेगा। आमतौर मई महीने में आग उगलने वाली भीषण गर्मी अपने तेवरों को प्रचंड बना लेती है और तापमान में भारी उफान के साथ हीट वेव लूं का कहर देखने को मिलता है, लेकिन इस बार मई महीने में मौसम में उलटफेर देखने को मिलेगा। जिसमें नौतपा सबसे प्रमुख है, जो 25 मई से दो जून के बीच आता है। इस नौ दिनों के दौरान सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने पर सूर्य की किरणें सीधी पड़ती हैं, जिससे मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली तापमान 45-48 डिग्री तक पहुंच जाता है।

हाउसिंग बोर्ड सिसोठ की बैठक में समस्याओं पर विचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी सिसोठ में हाऊसिंग बोर्ड रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन की एक आमसभा का आयोजन प्रधान शमशेर सिंह की अध्यक्षता में हुई। संचालन कमेटी के सचिव मास्टर नित्यानंद ने किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य हाऊसिंग बोर्ड कालोनी में वर्ष 2025 मे किए कार्यो का लेखा जोखा पेश करके उसका ऑडिट करवाने बारे विचार विमर्श करना था। इसके साथ-साथ आगे की रणनीति बनाकर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी को स्वच्छ और सुंदर बनाने की व्यवस्था करवाना, सीवरेज व्यवस्था ठीक करने, खराब स्ट्रीट लाईट को ठीक करवाना रहा। प्रधान शमशेर सिंह व सचिव मास्टर नित्यानंद ने पार्क में बैठने के सिमेंट की कुर्सी लाने की बात कहीं, जिस पर सभी कमेटी सदस्यों ने अपनी सहमति दी। प्राचार्य कृष्ण कुमार व मुकेश चौहान ने गालियों से पानी निकासी की बात रखी, मॉनसून से पहले निकासी की व्यवस्था पर सहमती बनी। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष शिवलाल, गोपीचंद यादव, सूबेदार सतबीर, मुकेश चौहान, संजय यादव, नरेंद्र दरोगा, राकेश मास्टर, कृष्ण प्राचार्य, रविंद्र, बिंद्र एडीओ उपस्थित रहे।

कचरे के ढेर से बढ़ा बीमारी का खतरा अटेली में लोग खुद करने लगे सफाई

शहर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का दिखा असर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। वार्ड नंबर दो के बाहर लगी कूड़े की ढेर। फोटो : हरिभूमि

शहर में सफाई कर्मचारियों की जारी हड़ताल का असर अब आमजन की सेहत पर पड़ने लगा है। जगह-जगह लगे कचरे के ढेर और फैलती गंदगी के कारण बीमारियों का खतरा बढ़ गया है, जिससे लोग चिंतित नजर आ रहे हैं। हालात ऐसे बन गए हैं कि कई मोहल्लों में लोगों ने खुद ही सफाई की जिम्मेदारी उठानी शुरू कर दी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पिछले तीन दिनों से कूड़ा नहीं उठने के कारण सड़कों और गलियों में गंदगी लगातार बढ़ रही है, जिससे मच्छर और दुर्गंध की समस्या गंभीर होती जा रही है। विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर परिवारों में चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि अगर जल्द सफाई व्यवस्था बहाल नहीं हुई तो डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। वहीं दुकानदारों ने भी स्थिति पर नाराजगी जताई है।

बाजारों में कचरा जमा होने से ग्राहकों की आवाजाही पर असर पड़ रहा है, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। नगर पालिका की ओर से अभी तक कोई ठोस वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। नागरिकों का कहना है कि प्रशासन को हड़ताल के दौरान भी सफाई की वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए थी, ताकि शहर की स्थिति इस कदर न बिगड़ती। लोगों ने प्रशासन से जल्द समाधान निकालने और नियमित सफाई व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप ने लगाया दंत मेडिकल कैंप

नारनौल। नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप की मुहिम स्वस्थ नारनौल के अंतर्गत रविवार को दंत मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें मुस्कान डेंटल क्लीनिक की डॉ. रेनू यादव व डॉ. सचिन यादव ने अपनी सेवाएं दी। इसमें दांतों में लगने वाली बीमारियों की जांच की गई व दांत की रख रखाव में बारे में जानकारी दी गई। जरूरतमंद लोगों को दवाई फ्री उपलब्ध कराई गई। दांतों की जांच करने के साथ बीमारी से कैसे बचा इसकी जानकारी भी दी गई। डॉ. रेनू यादव व डॉ. सचिन यादव ने बताया कि जब दांत पीले पड़ जाते है, तो उसके लिए उपाय है कि नमक और सरसों का तेल से दांतों का पीलापन व बदबू को आसानी से दूर किया जा सकता है। डॉ. रेनू यादव ने बताया कि जब दांतों में संक्रमण होता है, इसके गंभीर होने पर यह आपके दिमाग तक पहुंच जाता है। आमतौर पर आपको अपने दांतों के संक्रमण या इन्फेक्शन से अपना बचाव करने के लिए दांतों की साफ सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए। कार्यकम की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष गोगिया ने की। गोगिया ने जानकारी दी 10 मई व 20 को रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस मौके पर डॉ. प्रदीप कुमार, मनीष गोगिया, डॉ. रेनू यादव, डॉ. सचिन यादव, सुनील गोयल, संदीप जैन, सुनील शर्मा, कुणाल शुक्ला, दीपक कुमार, तुलसी गोयल आदि मौजूद रहे।

अंकित ठाकुर को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

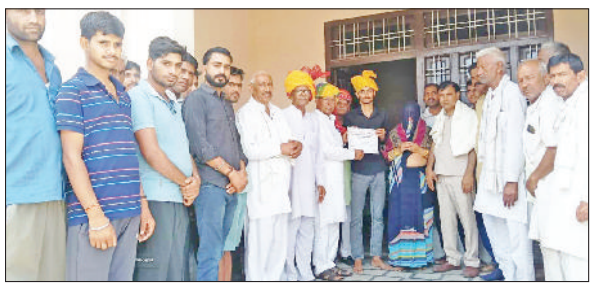

नारनौल। तलवाना के युवा अंकित ठाकुर को सम्मानित करते नेताजी अतरलाल व अन्य।

गांव तलवाना खेड़ी के युवा अंकित ठाकुर ने डिजिटल ट्रांजेक्शन में साइबर सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने शोध करके ऐसा ऐप तैयार किया है, जो डिजिटल ट्रांजेक्शन में साइबर धोखाधड़ी को रोकेगा। उनकी इस सफलता पर रविवार को आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने इकट्ठे होकर उनको सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे प्रजा भलाई संगठन के सुप्रीमो प्रमुख समाजसेवी नेताजी अतरलाल एडवोकेट तथा अन्य गणमान्यजनों ने अंकित ठाकुर को पगड़ी पहनाकर तथा प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने अंकित की माता मिथिलेश, दादी सुदेश देवी तथा पिता सुनील कुमार को शॉल ओढ़ाकर तथा दादा ओमवीर प्रधान को साफा पहनाकर सम्मानित किया। अतरलाल ने अंकित की उपलब्धि कि सराहना करते हुए युवाओं को उनसे प्रेरणा लेने की अपील की। ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करके हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अंकित को राज्य सरकार की तरफ से पुरस्कृत करने की मांग की।

ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतरलाल को सौंपा, जिसे उन्होंने तत्काल सरकार को प्रेषित करने का भरोसा दिलाया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर ओमवीर प्रधान, राजेंद्र सिंह नंबरदार, डॉ. मुकेश, परमानंद कौशिक, सूबेदार अनिल, रामअवतार, हरपाल, रामचंद्र, सूबेदार राकेश, संदीप, अमन, सौरभ, अंकित, संकित, सुनील, अमरपाल, जॉनी, तेनू, कालू, दीपक, जीतू, हर्ष, संजय, बाबू, राकेश यादव, राजवीर गौड़, सूबेदार श्रीराम, भागसिंह चेयरमैन, दानसिंह प्रजापत, कैलाश सेठ आदि उपस्थित थे।

हरित वसुंधरा आधार समिति ने चलाई पर्यावरण बचाव मुहिम

नारनौल। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और धरती को हरा भरा बनाने के उद्देश्य से हरित वसुंधरा आधार समिति सदस्यों ने रविवार सुबह स्वर्ग आश्रम नजदीक गोमाता उपचारशाला परिसर में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने मिलकर पौधों की देखरेख की, जिसमें गुड़ाई निराई, खाद डालना तथा टैंकर के माध्यम से नियमित सिंचाई जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल रहे। टीम ने पूरे समर्पण के साथ पौधों की स्थिति का निरीक्षण किया और उनकी सुरक्षा व वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए। अभियान के दौरान खराब हो चुके पौधे को हटाकर उसकी जगह नया पौधा रोपित किया गया, जो पर्यावरण के लिए अत्यंत लाभकारी माना जाता है। यह कार्य केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पौधों की निरंतर देखभाल और संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया। इस नेक कार्य में हरित वसुंधरा परिवार के समर्पित सदस्य राकेश कुमार ने नए पौधे का पूरा खर्च सहर्ष वहन किया। समिति के सदस्यों ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ व हरित वातावरण तैयार करना है।

कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, मृतक फायर कर्मियों के परिवारों को मुआवजा व सरकारी नौकरी देने की उठाई मांग

सरकार पर मांगों की अनदेखी करने का लगाया आरोप

मांगों को लेकर पालिका कर्मचारियों की हड़ताल तेज, फायर ब्रिगेड कर्मियों का आंदोलन भी जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। धरने को संबोधित करते प्रचार सचिव महावीर वाल्मीकि। फोटो : हरिभूमि

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई नारनौल की काम छोड़ हड़ताल मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी रही। वहीं अग्निशमन विभाग के कर्मचारी भी लगातार 25वें दिन हड़ताल पर डटे रहे। कर्मचारियों ने सरकार पर मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। नगर पालिका कर्मचारी संघ नारनौल इकाई के प्रधान भूपेंद्र सारवान ने बताया कि राज्य यूनियन के निर्देशानुसार तीन दिन की हड़ताल को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि इस दौरान सरकार कर्मचारी संगठनों के साथ बातचीत कर उनकी मांगों का समाधान करती है तो आंदोलन समाप्त करने पर विचार किया जाएगा। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि उनकी प्रमुख मांगों में प्रदेशभर के कच्चे सफाई कर्मचारियों एवं फायर विभाग के कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना शामिल है। इसके अलावा हाल ही में शहीद हुए फायर कर्मियों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा शहीद का दर्जा देने की मांग भी उठाई गई। भूपेंद्र सारवान ने आरोप लगाया कि कर्मचारी संगठन कई बार सरकार से बातचीत का प्रयास कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। कर्मचारी नहीं चाहते कि शहर की जनता को किसी प्रकार की परेशानी उठानी पड़े।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर फायर इकाई प्रधान गुरदयाल सिंह, राज्य कैशियर महेंद्र सिंह सांगलिया, जिला प्रधान राहुल सारवान, प्रचार सचिव महावीर वाल्मीकि महावीर प्रसाद, भीम सिंह, निरंजन लाल, रमेश कुमार, राजूराम, विक्रम सिंह, लाखन सिंह, संजय सिंह, राजेश सिंह, लीलाराम, प्रदीप सिंह, राकेश, मनोज, आशीष सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

अज्ञात-मास्क्ड नंबरों से आने वाले कॉल, मैसेज व लिंक बन रहे खतरा

व्हाट्सएप-वीओआईपी कॉल के जरिए जबरन वसूली व साइबर ठगी के बढ़ रहे मामले

फर्जी लिंक भेजकर मोबाइल-बैंकिंग की जानकारी हासिल कर लेते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने आमजन को सचेत करते हुए व्हाट्सएप-वीओआईपी कॉल के माध्यम से हो रही जबरन वसूली व साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को लेकर एडवाइजरी जारी की गई है। एसपी ने बताया कि साइबर अपराधी विदेशी या मास्क्ड नंबरों का उपयोग कर लोगों को डराने, धमकाने या लालच देकर पैसे ऐंठने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा पुलिस की ओर से इस प्रकार की धोखाधड़ी से बचाव के लिए अभेद्य ऐप व दोहरी ओटीपी प्रणाली जैसी महत्वपूर्ण पहलें शुरू की गई हैं। अभेद्य ऐप संदिग्ध अंतरराष्ट्रीय लोकेशन, अज्ञात नंबरों से आने वाली वीओआईपी कॉल, वॉयस नोट्स व व्हाट्सएप संदेशों को ब्लॉक करने में प्रभावी है, जबकि दोहरी ओटीपी प्रणाली विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित ऑनलाइन लेनदेन की सुविधा प्रदान करती है। एसपी ने कहा कि साइबर ठग अक्सर व्हाट्सएप कॉल, वॉयस नोट या मैसेज के माध्यम से खुद को पुलिस,सीबीआई व अन्य एजेंसी का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं या किसी मामले में फंसाने की धमकी देकर पैसे मांगते हैं। कई बार वे फर्जी लिंक भेजकर मोबाइल-बैंकिंग की जानकारी भी हासिल कर लेते हैं। ऐसे में नागरिकों को सतर्कता बरतनी चाहिए।

ऐसे संकेत मिले तो तुरंत सतर्क हो जाएं

कोई भी विदेशी या अज्ञात नंबर से कॉल-व्हाट्सएप मैसेज आना, खुद को पुलिस या जांच एजेंसी बताकर डराना, तुरंत पैसे ट्रांसफर करने का दबाव बनाना, संदिग्ध लिंक या ऐप भेजना, ओटीपी या बैंकिंग जानकारी मांगे तो सतर्क हो जाए। एसपी मीणा ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की साइबर ठगी या जबरन वसूली का शिकार होता है, तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या वेबसाइट साइबरक्राइम.जीओवी.इन पर शिकायत दर्ज कराएं। इसके अलावा नजदीकी थाना या साइबर थाने में भी सूचना दें। एसपी ने कहा कि आमजन सतर्क रहें। अभेद्य ऐप व दोहरी ओटीपी प्रणाली का अधिक से अधिक उपयोग करें और किसी भी प्रकार के डर, लालच या झूठे वादों के झांसे में न आएं। जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय हैं।

आमजन के लिए जारी मुख्य सावधानियां

अपने मोबाइल में अभेद्य ऐप इंस्टॉल कर अज्ञात कॉल-मैसेज को ब्लॉक करें। किसी भी अनजान नंबर, विशेषकर विदेशी-मास्क्ड कॉल से सतर्क रहें। किसी भी व्यक्ति को ओटीपी, बैंक डिटेल या निजी जानकारी साझा न करें। ऑनलाइन लेनदेन के लिए दोहरी ओटीपी प्रणाली का उपयोग करें। वरिष्ठ नागरिक अपने किसी विश्वसनीय व्यक्ति को अतिरिक्त ओटीपी सत्यापन के लिए जोड़ें। किसी भी प्रकार की धमकी, डराने-धमकाने या लालच देने वाली कॉल पर तुरंत प्रतिक्रिया न दें। संदिग्ध लिंक, ऐप या फाइल डाउनलोड करने से बचें।

रेवाड़ी। बैठक में मौजूद एम्स संघर्ष समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

समिति ने फिर उठाई माजरा एम्स में ओपीडी और ओवरब्रिज का कार्य शुरू करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार को एम्स संघर्ष समिति मनेठी की मासिक बैठक समिति के अध्यक्ष कैलाश चंद की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जबकि बैठक का संचालन समिति के सचिव ओमप्रकाश सैन ने किया। इस मौके पर एम्स संघर्ष समिति के प्रवक्ता कामरेड राजेंद्र सिंह ने रामगढ़-भगवानपुर अस्पताल बनाओ कमेटी के अध्यक्ष रामेश्वर दयाल की ओर से एम्स संघर्ष समिति की ओर से सरकारी अस्पताल निर्माण के आंदोलन में दिए गए सहयोग का आभार संदेश सुनाया। समिति ने मुख्यमंत्री की ओर से आयुर्वेद कॉलेज और खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा पर खुशी जाहिर की। इस मौके पर समिति के वक्ताओं ने कहा कि ये लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से जायज मांग को लेकर चलाए गए जन आंदोलन में जनशक्ति की जीत है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने धरना स्थल पर जनता की बात सुनकर मांगों को स्वीकृति देकर एक स्वस्थ्य लोकतांत्रिक परंपरा का परिचय दिया है। इस मौके पर एम्स संघर्ष समिति के वक्ताओं ने केंद्र सरकार से माजरा एम्स में तुरंत ओपीडी शुरू करने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि ओपीडी शुरू करने के लिए एम्स की पर्याप्त बिल्डिंग बन चुकी है, फिर भी ओपीडी शुरू करने में देरी की जा रही है। उन्होंने एम्स के ओवरब्रिज के कार्य को भी शुरू कराने की मांग की।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कर्नल राजेंद्र सिंह, रामकुमार निमोठ, रामस्वरूप अहरोद, दयाराम आर्य, छाजूराम, कंवर सिंह आर्य, अमर सिंह राजपुरा, बलवंत सिंह, सत्प्रकाश गोयल, डा. एचडी यादव, कंवल सिंह नांगल, रिटायर्ड मुख्याध्यापक जितेंद्र कुमार शर्मा, लक्ष्मण सिंह, महावीर सिंह पंच, बीडी यादव, देशराज, दलबीर सिंह, प्रकाश चंद, राजरानी, उमेद बाई व कृष्णा देवी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

रेवाड़ी। कार्यशाला में मौजूद शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

दो दिवसीय शिक्षक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का समापन, 51 शिक्षक हुए शामिल

रेवाड़ी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्वावधान में नारनौल रोड स्थित सनग्लो इंटरनेशनल स्कूल में हिंदी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डा. वीपी यादव ने किया। दो दिवसीय कार्यशाला में हरियाणा के जींद, हिसार, गुरुग्राम, चरखी दादरी, भिवानी और रेवाड़ी जिलों से सीबीएसई से संबद्ध 22 विद्यालयों के 51 शिक्षकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को हिंदी शिक्षण के संदर्भ में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा—2005 के नीतिगत दिशानिर्देशों से अवगत कराना तथा हिंदी शिक्षण से जुड़े वर्तमान मुद्दों, चिंताओं एवं विषय मूल्यांकन पर प्रकाश डालना रहा। इसके अतिरिक्त हिंदी शिक्षकों को अधिगम उद्देश्य निर्धारित करने, शिक्षण रणनीतियां तैयार करने, देवनागरी लिपि एवं वर्तनी के मानकीकरण में सक्षम बनाने के लिए अंत:क्रियात्मक शिक्षण सत्र भी आयोजित किए गए। सीबीएसई की ओर से विषय विशेषज्ञ के रूप में रीमा भानोट और बबली यादव उपस्थित रही। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के उप-कुलसचिव डा. नवीन पिपलानी मौजूद थे।

नियमित हेल्थ चेक-अप व समय पर जांच बहुत जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पाचन से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। एसिडिटी, ब्लोटिंग, कब्ज और फैटी लिवर जैसी समस्याओं को लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, जब तक कि समस्याएं रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित न करने लगें, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं समझते कि पेट और आंतों की सेहत सीधे तौर पर उनके लाइफस्टाइल से जुड़ी होती है। आजकल की दिनचर्या में अनियमित समय पर खाना, नाश्ता छोड़ना, देर रात ओवरईटिंग, कम फिजिकल एक्टिविटी, तनाव और प्रोसेस्ड फूड का ज्यादा सेवन आम हो गया है। ये आदतें पाचन तंत्र के सामान्य कामकाज को बिगाड़ देती हैं। जल्दी-जल्दी खाना, बहुत ज्यादा मसालेदार या तैलीय भोजन लेना और चाय-कॉफी या पैकेज्ड स्नैक्स पर निर्भर रहना एसिडिटी, गैस, अपच और पेट में असहजता को बढ़ा सकता है।

गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डा. अनुभव जैन ने बताया आजकल सबसे आम शिकायतों में से एक कब्ज है। कम पानी पीना, लंबे समय तक बैठे रहना और कम फाइबर वाला भोजन आंतों की गति को धीमा कर देता है। समय के साथ यह पाइल्स, फिशर और लगातार पेट दर्द जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। इसी तरह, खाना खाने के बाद ब्लोटिंग को अक्सर लोग नॉर्मल गैस मान लेते हैं, जबकि यह कमजोर पाचन, फूड इंटॉलरेंस या गट बैक्टीरिया के असंतुलन का संकेत भी हो सकता है। एक और बढ़ती हुई समस्या फैटी लिवर डिजीज है, जो खासकर ओवरवेट, डायबिटिक या कम एक्टिव लोगों में ज्यादा देखी जाती है। कई मरीज यह जानकर हैरान होते हैं कि लिवर डैमेज बिना किसी बड़े लक्षण के धीरे-धीरे बढ़ सकता है, इसलिए नियमित हेल्थ चेक-अप और समय पर जांच बहुत जरूरी है।

तनाव भी गट हेल्थ को प्रभावित करने वाला कारक

तनाव भी गट हेल्थ को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। हमारा गट और ब्रेन आपस में गहराई से जुड़े होते हैं। एंग्जायटी, नींद की कमी और मानसिक तनाव एसिडिटी, इरिटेबल बाउल सिंड्रोम, भूख में बदलाव और पेट में ऐंठन जैसी समस्याओं को बढ़ा सकते हैं। डा. अनुभव ने बताया कि अच्छी बात यह है कि कई पाचन समस्याओं को आसान लाइफस्टाइल बदलावों से रोका या बेहतर किया जा सकता है। ताजा घर का बना खाना खाना, फल और सब्जियों को डाइट में शामिल करना, पर्याप्त पानी पीना, रोजाना वॉक करना, हेल्दी वेट बनाए रखना और तनाव कम करना, ये सभी आदतें बड़ा फर्क ला सकती हैं। बार-बार होने वाली एसिडिटी या दर्द के लिए खुद से दवा लेना सही नहीं है, क्योंकि बार-बार के लक्षणों की मेडिकल जांच जरूरी होती है। अगर लगातार पेट दर्द, बिना वजह वजन कम होना, मल में खून आना, निगलने में दिक्कत, बार-बार उल्टी, पीलिया या लंबे समय से कब्ज की समस्या हो, तो तुरंत एक्सपर्ट से सलाह लें। इन संकेतों को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

न्यूज डायरी

भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में निकाली शोभायात्रा

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा में गौड़ ब्राह्मण सभा की ओर से भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्व समाज के लोगों ने भगवान परशुराम के सामने नतमस्तक होकर उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया। इस अवसर पर ब्राह्मण धर्मशाला में हवन का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक श्रद्धालुओं ने आहूतियां दी। इस मौके पर भगवान परशुराम की शोभायात्रा भी निकाली गई, जिसमें अनेक झांकियां शामिल रही। ब्राह्मण समाज के प्रधान सुभाष भारद्वाज ने भव्य यात्रा को रवाना किया। यह यात्रा कस्बे के भगत सिंह चौक, सोहना रोड और सरकुलर रोड से होते हुए पुनः ब्राह्मण धर्मशाला पर सम्पन्न हुई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरित किया गया।

भटसाना में इंडोर स्टेडियम के लिए हुआ भूमि पूजन

धारूहेड़ा। रविवार को गांव भटसाना स्थित बाबा बिशनदास मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर इंडोर स्टेडियम निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। जिला पार्षद निरंजन लाल व ब्लॉक समिति चेयरमैन चौधरी दलबीर सिंह ने विधि-विधान से पूजन सम्पन्न कराया। इस मौके पर चौ. दलबीर सिंह ने सटेडियम के लिए 15 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। इस मौके पर गिरिराज, सरपंच भूपसिंह, राजबीर, श्रीराम, एक्स सरपंच खूबराम, देवेन्द्र पंच, मास्टर भगवान सिंह, रमेश मुकदम, दीनदयाल मुकदम, वितय भटसाना व इन्द्रजीत सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय बौद्ध विहार की आधारशिला कार्यक्रम में रेवाड़ी से प्रतिनिधि हुए शामिल

रेवाड़ी। धम्म भूमि बुद्धिस्ट वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जनपद के रोहिना सिंहपुर एटा जीटी रोड के पास नेशनल राष्ट्रीय बौद्ध विहार की आधारशिला रखी गई। भंते डा. केके राहुल के नेतृत्व एवं श्रीलंका से पधारे भिक्खु पी सिवली महाथेरो के सानिध्य में बौद्ध विरासत का धम्म कारवां व वृद्ध भिक्खु-भक्खुणी सेवा विहार का स्थापना कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में पूरे देश से सैकड़ों बौद्ध भिखुओं के अलावा हजारों की संख्या में बुद्धिस्ट लोग पहुंचे और उन्होंने अपने हाथों से बौद्ध विहार की आधारशिला की नींव की ईंट रखी। भंते धम्मशील, भंते अस्स, भंते आदित्य,भंते धम्म विनया व बुद्ध अलंकार की प्रेरणा से रेवाड़ी से धम्म भूमि यूनिट के प्रतिनिधि के तौर पर भगत सिंह बौद्ध, आरपी सिंह दहिया, सत्यवीर गोठवाल, रोशनलाल दहभीवाल, दिनेश कुमार बौद्ध, सुनीता बौद्ध, आरके बलवारिया, हवा सिंह बौद्ध, अमर सिंह बौद्ध, महावीर, नानक चंद, धर्मपाल सुनारी, तेज सिंह शोर्य, जसवंत सिंह, बाबूसिंह, नत्थीराम, अश्विनी बौद्ध, गगनदीप बौद्ध, दिशांत बौद्ध व दिलावर सिंह कार्यक्रम में शामिल हुए।

रामगढ़-भगवानपुर में आयुर्वेदिक कॉलेज की घोषणा के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

धारूहेड़ा। शहीद भगत सिंह यादगार कमेटी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से गांव रामगढ़-भगवानपुर में आयुर्वेदिक कॉलेज और खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा का स्वागत किया है। कमेटी के अध्यक्ष कामरेड रमेश चंद्र व सचिव राकेश सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने वायदे के मुताबिक रामगढ़-भगवानपुर अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी के धरना स्थल पर पहुंच कर आंदोलनकारियों को मांग को सुना और बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सिर्फ मांग ही पूरी नहीं की बल्कि, क्षेत्र की जनता की भावनाओं का सम्मान किया है। नागरिक अस्पताल की मांग को लेकर 17 जून 2025 को संघर्ष कमेटी के नेतृत्व में धरना शुरू हुआ, जिसमें पूरे इलाके के ग्रामीणों, महिलाओं व नौजवानों ने आंदोलन में जुटे रहकर आपसी भाईचारे की मिसाल पेश की। आखिरकार सभी का संघर्ष रंग लाया और जनसाधारण को एक संदेश दिया गया कि आपसी भाईचारे व सहयोग से सही दिशा में चलने वाले आंदोलन से मांगों को पूरा कराया जा सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई की इस घोषणा को साकार रूप देते हुए मुख्यमंत्री जल्द से जल्द आयुर्वेदिक कॉलेज व खेल स्टेडियम के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कराएंगे।

'झुकता है सारा संसार बालाजी थारे चरणों में...

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

कस्बे के सोहना रोड स्थित राव मलखान मार्केट स्थित मंदिर में मां शेरावाली, बजरंगबली और भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की गई। रविवार को श्रद्धा और भक्ति के माहौल में पूरे विधि-विधान से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मूर्ति स्थापना बलराज यादव कापड़ीवास के परिवार की ओर से किया गया। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन और भंडारे का भी आयोजन किया गया। इससे पूर्व शनिवार रात्रि को जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें गायक कलाकारों ने अनेक मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। माता शेरावाली व हनुमान जी के भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। जागरण में गुरुग्राम से गायिका कोमल शर्मा ने 'झुकता है सारा संसार बालाजी थारे चरणों में, एक बार तो हाथ उठा ले मेरे हनुमान के लिए', 'बोलो-बोलो प्रेमियों श्याम प्यारे की जय' व 'चरणों में तेरे अरदास लाया हूं' सहित अनेक भजन सुनाएं।

गायक ईश्वर सिंह दायमा ने 'सारी दुनिया में सरकार तेरी मैया जी, सब बनते बिगड़े काम तेरे दर मैया जी', गायक अशोक कोसलिया ने 'निकलेगा तेरी भक्ति का परिणाम, तेरे घर आयेंगे घनश्याम', जितेन्द्र कुमार ने 'सांवरे सलोने तेरा कोई न जबाव, तू ही लाजवाब बाबा तू ही लाजवाब', धर्मवीर सैनी ने 'जीवन सफल बनाना है तो ले लो राम का नाम, बेड़ा पार लगाना है तो ले लो प्रभु का नाम' और गायक अमित सरदाना ने भजन 'मेरी हाथ जोड़कर कर अर्जी बाबा मोहनराम से' की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

रेवाड़ी। जागरण में भजन सुनाते हुए गायिका कोमल शर्मा तथा मौजूद महिलाएं।

पूर्व सैनिक कल्याण संगठन ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

■ मुख्यमंत्री ने संगठन के सदस्यों को मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से सैनी पब्लिक स्कूल में मुलाकात की और अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री ने संगठन के सदस्यों को मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर विधायक लक्ष्मण सिंह यादव भी मौजूद थे।

रेवाड़ी। मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए पूर्व सैनिक। फोटो : हरिभूमि

पूर्व सैनिकों ने मोमेंटों देकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। उन्होंने मुख्यमंत्री से ईसीएचएस और सैनिक सदन की लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा और इसके बारे में विस्तार से चर्चा। इस मौके पर अनेक पूर्व सैनिक मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

हेल्थ एंड वेलनेस कोच डा. सपना यादव ने सभी को आसन व प्राणायाम का अभ्यास कराया

शास्त्र कहते हैं कि अपने मानव जीवन के प्रत्येक श्वास को सुमिरन में लगाएं: प्रीति

■ गर्मी के मौसम में स्वस्थ रहने के उपयोगी टिप्स दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में प्रभु की भक्ति का कार्यकम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि स्कूल शिक्षा बोर्ड भिवानी के पूर्व अध्यक्ष डा. वीपी यादव, एचएसवीपी के पूर्व प्रधान रामरतन यादव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि राजकुमार सिद्धार्थ ने जब पहली बार एक बूढ़े व्यक्ति को देखा तो उनके सारथी ने कहा कि एक दिन सभी को वृद्ध होना है। एक दिन उन्होंने एक मृत व्यक्ति को देखा तो उन्हें कहा कि एक दिन हम सभी को मरना है। राजकुमार सिद्धार्थ ने विचार किया कि जब मरना ही है तो जीवन का उद्देश्य क्या है। इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए वे अपनी पत्नी व अपने पुत्र को सोता छोड़कर सन्यासी वेश में जंगल की ओर चल दिए। उन्होंने कठोर तपस्या कर जाना कि मानव जीवन का लक्ष्य एकमात्र अपने आपको जानना है। हेल्थ एंड वेलनेस कोच डा. सपना यादव ने सभी को आसन व प्राणायाम का अभ्यास कराया व गर्मी के मौसम में स्वस्थ रहने के उपयोगी टिप्स दिए। कार्यक्रम में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए समाजसेवी गौरव मल्होत्रा, कैलाश सोनी, उपप्रधान हेमंत , हमारा परिवार इकाई प्रमुख दयानंद आर्य, शिक्षाविद सुनीता शास्त्री, श्रुति आर्य, पूर्व नगर प्रधान सरोज भारद्वाज व समाजसेवी राजेन्द्र गेरा को सम्मानित किया गया। अतिथियों को मां दुर्गा, मां सरस्वती व मां लक्ष्मी के चित्र भेंट किए गए।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सभी रूपों में परमात्मा विराजमान

शिक्षाविद् डा. बलबीर अग्रवाल, महिला प्रधान निशा सीकरी, शिक्षाविद राजेंद्र सिंह यादव व पर्यावणसेवी प्रीति कपूर ने कहा कि शास्त्र कहते हैं कि अपने मानव जीवन के प्रत्येक श्वास को सुमिरन में लगाए। जितना भी संभव हो जरूरतमंद की सहायता करें, क्योंकि सभी रूपों में परमात्मा विराजमान है।

ये रहे मौजूद

देवेन्द्र कुमार, सुदर्शन मेहंदीरत्ता, पुरुषोतम नंदवानी, कपिल कपूर, ओजस्वी, पूर्वांशी, सोनिया कपूर, रोहित गेरा व राजाराम सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।